समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

23 साल की उम्र मे संपनों को दिया आकार : राजगुरुनगर की श्रद्धा शरद मोटे और 'तथास्तु इंटिरियर्स' की प्रेरणादायक सफलता कहानी

Sanket Morankar

Published on 17 Dec 2025

घर... यह शब्द केवल चार दीवारों तक सीमित नहीं होता। घर वह स्थान होता है जहाँ सपने पलते हैं, भावनाएँ जुड़ती हैं और भविष्य की नींव रखी जाती है। इन्हीं भावनाओं को साकार रूप देने का कार्य कर रही हैं **श्रद्धा शरद मोटे**, जो **तथास्तु इंटिरियर्स, राजगुरुनगर** की डायरेक्टर हैं। मात्र **23 वर्ष की उम्र मे** इंटीरियर डिज़ाइन जैसे पुरुष-प्रधान क्षेत्र में कदम रखकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि जुनून, आत्मविश्वास और सही सोच के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

श्रद्धा मोटे का सफर किसी पारंपरिक या सुरक्षित रास्ते से शुरू नहीं हुआ। जहाँ एक ओर स्थिर नौकरी और सुरक्षित भविष्य की अपेक्षाएँ थीं, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर कला और डिज़ाइन को व्यवसाय का रूप देने का सपना था।
साल **2021** में, सीमित अनुभव और बिना बड़े पूंजी निवेश के, उन्होंने '**तथास्तु इंटिरियर्स**' की स्थापना की।

राजगुरुनगर जैसे अर्ध-शहरी और पारंपरिक सोच वाले क्षेत्र में, एक 23 वर्षीय युवती द्वारा इंटीरियर डिज़ाइन फर्म शुरू करना अपने आप में एक साहसिक कदम था।

'तथास्तु' नाम केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि एक भावना है।
ग्राहकों की इच्छाओं (Wishlist) को उनके बजट में वास्तविकता में बदलना और उनके सपनों को "वैसा ही हो" का आशीर्वाद देना—यही तथास्तु इंटिरियर्स का मूल सिद्धांत है।

श्रद्धा मोटे के लिए शुरुआती चार साल आसान नहीं थे।
सबसे बड़ा संघर्ष था—**कम उम्र और महिला होने के कारण संदेह और पूर्वाग्रह**।

कई बार साइट विज़िट या मीटिंग्स में उनसे पूछा जाता,
"आपके बॉस कौन हैं ?"

उनके डिज़ाइनों, निर्णयों और कोटेशन पर सवाल उठाए जाते।

पुरुष कारीगरों और ठेकेदारों के साथ तकनीकी निर्देशों को लागू करवाना, गुणवत्ता और समयसीमा बनाए रखना—इन सभी के लिए उन्हें खुद को बार-बार साबित करना पड़ा।
लेकिन उन्होंने **ईमानदारी और गुणवत्ता** से कभी समझौता नहीं किया।

श्रद्धा मोटे ने जल्दी समझ लिया कि उनकी युवा सोच कमजोरी नहीं, बल्कि **सबसे बड़ी ताकत** है।
उनके डिज़ाइनों में आधुनिकता, सादगी और उपयोगिता का संतुलन दिखाई देता है।

वे केवल सुंदरता पर ध्यान नहीं देतीं, बल्कि

- किचन की ऊँचाई
- स्टोरेज की सुविधा
- घर के कार्य-प्रवाह (Workflow)
- महिला उपयोगकर्ता की दैनिक जरूरतें

इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन तैयार करती हैं।
स्मार्ट होम सॉल्यूशंस, मल्टी-फंक्शनल फर्नीचर और इको-फ्रेंडली डिज़ाइन ने युवा ग्राहकों का भरोसा जीत लिया।

श्रद्धा मोटे का हर प्रोजेक्ट उनके अगले प्रोजेक्ट का आधार बना।
आज जब कोई "**Interiors in Rajgurunagar**" सर्च करता है, तो **तथास्तु इंटिरियर्स** का नाम प्रमुखता से दिखाई देता है।

खासतौर पर महिला ग्राहक एक महिला डिज़ाइनर की सोच और समझ के कारण श्रद्धा मोटे को प्राथमिकता देती हैं। यही भरोसा उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

आज वर्ष **2025** में, 27 वर्ष की उम्र में श्रद्धा मोटे एक सफल महिला उद्यमी के रूप में स्थापित हो चुकी हैं।
इस सफलता के पीछे उनके परिवार का अहम योगदान है। माता-पिता का अटूट विश्वास और पति का निरंतर मानसिक सहयोग उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना।

श्रद्धा मोटे मानती हैं कि उनका यह सफर अकेले संभव नहीं था।
कारीगरों, बढ़ई, इलेक्ट्रिशियन और पूरी टीम ने उनके विज़न पर भरोसा किया और हर प्रोजेक्ट को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया।

आगामी वर्षों में पुणे–नाशिक क्षेत्र में **तथास्तु इंटिरियर्स** को एक विश्वसनीय, आधुनिक और युवा ब्रांड के रूप में स्थापित करना उनका लक्ष्य है।

श्रद्धा शरद मोटे की मेहनत और उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए उनका चयन
"Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025"
जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए किया गया है।

यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य करता है। यह उपलब्धि न केवल श्रद्धा मोटे, बल्कि **राजगुरुनगर और पूरे क्षेत्र** के लिए गर्व की बात है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह में कई नामचीन फिल्मी हस्तियां शामिल होंगी, जिनमें—

- **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री

- **सोनाली कुलकर्णी** – प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री
- **प्रार्थना बेहरे** – लोकप्रिय अभिनेत्री

इन हस्तियों की उपस्थिति कार्यक्रम को और भी खास बनाएगी।

इस समारोह का आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**,
Founder & CEO – Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.)
के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और डिज़ाइनर्स को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए जाने जाते हैं।

श्रद्धा शरद मोटे और तथास्तु इंटिरियर्स की कहानी यह साबित करती है कि उम्र और चुनौतियाँ कभी सफलता की सीमा नहीं बन सकतीं। सही सोच, मेहनत और परिवार के सहयोग से एक युवा महिला भी इंटीरियर डिज़ाइन जैसे क्षेत्र में नई पहचान बना सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.